प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि महाविद्यालय, कीट विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पंतनगर। 11 सितम्बर 2025। नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित परियोजना 'जैविक खेती हेतु कीट प्रबंधन प्रौद्योगिकी के प्रसार' के अंतर्गत तीन–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा फसलों को हानिकारक कीट एवं फफूंद से सुरक्षित रखने हेतु उपयोगी कीटों एवं फफूंद का प्रयोग विषय पर आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि किस प्रकार लाभकारी कीट एवं फफूंद का प्रयोग करके फसलों को बिना रसायनों के सुरक्षित किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने वनस्पतिक कीटनाशक (अग्निअश्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र), कुनापजल, ट्राइकोडर्मा, ब्यूवेरिया बेसियाना, ट्राइकोग्रामा जैसे जैविक नियंत्रण साधनों के उपयोग की तकनीक समझाई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रदर्शन के माध्यम से व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। किसानों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि जैविक कीट एवं रोग प्रबंधन से न केवल उत्पादन लागत घटेगी बल्कि मिट्टी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निदेशक शोध डा. सुभाष चंद्रा तथा कीट विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. प्रमोद मल्ल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर परियोजना के मुख्य अन्वेषक डा. रवि प्रकाश मौर्य तथा सह–अन्वेषकगण डा. रेनू पांडेय, डा. रूपाली शर्मा एवं डा. रुचि गंगवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान एवं छात्र–छात्राओं ने भाग लिया और समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।